707

दृष्टि The Vision

drishti

Drishti Mentorship Programme (Mains)-2024

Essay

Name of Candidate:	Payal Gwalwaneli	Subject/Code:	09
UPSC Roll No:	0822591	Date:	04 Sept 2024
Drishti Id:	2564	E-mail Id:	
Centre:	707 Mukherjeenagar	Medium:	Hindi

Test Code: Essay-09

Time allowed: Three Hours	*Maximum Marks: 250*

(To be filled by Evaluator only)		
	Max. Marks	Marks Obtained
	(Essay Topic No.)	(Marks)
Section-A		
Section-B		
Total		
Overall Feedback		

INSTRUCTIONS

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पहले निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

- प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबन्ध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू. सी. ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों पर अंक नहीं दिए जाएँगे।
- प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिए।
- प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णत: काट दीजिए।

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

- The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
- Word limit, as specified, should be adhered to.
- Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

For Student Only				
Time Taken	Start Time:	End Time:	Student Signature	
Mode of Examination	Online ☐	Offline ☐		

For Office Use Only				
Evaluators Code	Evaluator Sign	Evaluation Date	Reviewers Code	Reviewers Sign

Feedback				
Sr. No	**मापदण्ड/Parameters**	**Max. Marks**	**Section-A (Essay-1)**	**Section-B (Essay-2)**
1.	**परिचय:** विषय और संलग्नता की स्पष्टता। **Introduction:** Clarity of theme and engagement.	10		
2.	**विषय वस्तु:** प्रासंगिकता, विश्लेषण की गहराई और उदाहरणों/साक्ष्यों का उपयोग। **Content:** Relevance, depth of analysis, and use of examples/evidence.	25		
3.	**संरचना और संगठन:** तार्किक प्रवाह, पैराग्राफ संरेखण और विचारों की सुसंगतता। **Structure and Organization:** Logical flow, Paragraph alignment and Coherence of ideas.	20		
4.	**प्रासंगिकता:** विषय से विचलन की अनुपस्थिति, तर्क और पुष्टि/प्रमाणीकरण के बीच संतुलन **Relevance:** Absence of Deviation from Topic, Balance between argument and substantiation.	20		
5.	**भाषा और अभिव्यक्ति:** स्पष्टता, व्याकरण, वाक्यविन्यास, शब्दावली और अभिव्यक्ति **Language and Expression:** Clarity, Grammar, Syntax, Vocabulary and Articulation	20		
6.	**निष्कर्ष:** तर्कों और निष्कर्ष का प्रभावी सारांश। **Conclusion:** Effective summary of arguments and conclusion.	10		
7.	**मौलिकता और रचनात्मकता:** विचार और रचनात्मक अभिव्यक्ति में नवीनता। **Originality and Creativity:** Innovation in thought and creative expression.	20		
	कुल: Total:	125		

*** UPSC Requirement for Essay Paper:**

Candidates may be required to write essays on multiple topics. They will be expected to keep ***closely to the subject*** *of the essay to* ***arrange their ideas in orderly fashion*** *and to* ***write concisely.*** *Credit will be given for* ***effective and exact expression.***

*** निबंध पेपर के लिए यूपीएससी की अपेक्षा:**

उम्मीदवार को एक विनिर्दिष्ट विषय पर निबंध लिखना होगा। विषयों के विकल्प दिये जायेंगे। उनसे आशा की जाती है कि अपने विचारों को निबंध के ***विषय के निकट*** *रखते हुए* ***क्रमबद्ध*** *करें तथा* ***संक्षेप*** *में लिखें।* ***प्रभावशाली एवं सटीक अभिव्यक्तियों*** *के लिये श्रेय दिया जायेगा।*

Copyright – Drishti The Vision Foundation

निम्न खण्ड A व B प्रत्येक से एक विषय चुनकर दो निबन्ध लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 1000-1200 शब्दों का हो :

Write two essays, choosing one topic from each of the following Sections A and B, in about 1000-1200 words each: **(125 × 2 = 250)**

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

खंड-A/SECTION-A

Topic:

२. चूँकि हम भावी पीढ़ियों के बारे में नहीं सोचते, इसलिये वे हमें कभी नहीं भूलेंगे।

जब आखिरी पेड़ काटा जायेगा।
आखिरी नदी का पानी सूख जायेगा
आखिरी मछली का शिकार हो जायेगा।
तब इंसान को एहसास होगा कि, वह पैसा
नहीं खा सकता।

वर्तमान में मनुष्य उपभोक्तावादी संस्कृति, पूंजीवादी अर्थव्यवस्था, तीव्र औद्योगीकरण, पर्यावरण के प्रति उदासीनता, गला काट प्रतिस्पर्धा आदि के वशीभूत एक ही क्षण में सबकुछ पाना चाहता है। परन्तु वही दूसरी

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

जलवायु परिवर्तन के कारण मानसून परिवर्तन, नई-नई महामारियों का उद्गम, समुद्री जल स्तर का बढ़ना, अम्लीय वर्षा, ओज़ोन परत में छिद्र होना, ग्लोबल वार्मिंग, सूखा, अकाल, कीटों के प्रकोप से फसलों को नुकसान आदि कई समस्याएँ हमारे कर्मों का ही परिणाम हैं।

प्रश्न उठता है कि जो हम आज विकास के नाम पर अंधाधुंध रणनीति से पर्यावरण को नुकसान पहुँचा रहे हैं, संसाधनों का उपभोग कर रहे हैं। जब हम ऐसा जीवन अपनी आने वाली पीढ़ियों को देंगे तो निश्चय ही वे जब-जब जलवायु परिवर्तन संबंधी नई-नई समस्याओं का सामने करेंगे, वे हमें याद करेंगे कि हमारे पूर्वजों ने हमें ऐसा भविष्य दिया है जिसमें उनके कर्मों का फल

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

हमें भुगतना पड़ रहा है।

सतत विकास एक ऐसा विचार है जो वर्तमान की पीढ़ियों को इस बात के लिये सचेत करता है कि उन्हें भविष्य में आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित पर्यावरण सौंपना है।

वर्ष 2015 में ब्राजील के रियो डी जेनेरो में हुए पर्यावरण सम्मेलन का आयोजन हुआ जिसमें 17 सतत् विकास लक्ष्य निश्चित किये गये। जो वर्तमान की पीढ़ी को संधारणीय विकास के पथ पर चलने की सलाह देते हैं। जैसे - गरीबी कम करो, भूखमरी और कुपोषण की समस्या को कम करना, शिक्षा तक सभी की पहुँच सुनिश्चित हो, स्वास्थ्य की मजबूत व्यवस्था, पर्यावरण संरक्षण, नवीकरणीय एवं स्वच्छ ऊर्जा, सीमित उपभोग, लैंगिक समानता आदि ऐसे कई लक्ष्य हैं जो यह संदेश देते हैं कि यदि

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

हमने इन्हें पूरा कर लिया तो हमारी आने वाली पीढियाँ हमें अच्छे कामों के लिये याद करेगी, हमारी शुक्रगुज़ार होगी।

परन्तु यदि हमनें अपनी भावी पीढ़ियों के बारे में नहीं सोचा तो, वे हमें, हमारे स्वार्थपूर्ण उपभोग के कारण कभी नहीं भूलेगी। हमारी ~~छवी~~ छवि उनके सामने बेहद ही नकारात्मक होगी, वे हमें एक बुरा भूतकाल, अंधकारयुग से संबोधित करने में हिचकिचायेंगे नहीं।

जरूरत है कि वर्तमान का मनुष्य गांधीजी के न्यासिता के सिद्धांत का पालन करे। प्रत्येक कार्य करने से पहले यह सोचे कि उसके कार्य का आने वाली पीढ़ी पर क्या प्रभाव पड़ेगा। पृथ्वी के संसाधनों को सहेज कर उपभोग करें, आने वाले भविष्य के लिये

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उन्हें सुरक्षित रखें।

सुखद ही होगा भविष्य हमारा भी जब
करेंगे सबके सुरक्षित भविष्य की चाह
होगा सतत पोषणीय विकास सुनिश्चित
जो हम खुद के समान करे सबकी परवाह।

प्रश्न यह भी है कि क्या सिर्फ पर्यावरण संरक्षण का ही मुद्दा महत्वपूर्ण है या अन्य समस्याएँ भी हैं जिन्हें सुलझाना आवश्यक है। जिन्हें आज ही जड़ से मिटाना होगा। उदाहरण के लिये - आज गरीबी चरम स्तर पर दिखाई देती है, अफ्रीका महाद्वीप के सोमालिया, सूडान जैसे देशों के लोग आज भी खाने-खाने को तरसते हैं, बच्चे कुपोषण की वजह से 5 साल की उम्र भी पूरी नहीं कर पाते हैं, मातृ मृत्यु दर भी उच्च है, आय के संसाधन सीमित हैं। यदि हम ऐसी स्थिति को आने वाले लोगों को सौंपते हैं तो वो

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

परन्तु हमें कभी नहीं भूलेंगे। सदैव सोचेंगे कि हमारे पूर्वजों ने हमें अभिशापित किया है। धूमिलीकरण की कविता -

वह पेट उनका पीठ से मिलकर हुआ क्या एक है
मानो निकलने को परस्पर हड्डियाँ तैयार हैं

गरीबी के साथ भूखमरी की समस्या भी जड़े फैलायी हुई है। वैश्विक भूखमरी सूचकांक में भारत जैसे लोकतांत्रिक देश की स्थिति भी निचले पायदान है। इसका कारण यह भी है कि अमीर और अमीर होता जा रहा है और गरीब और गरीब। संसाधनों का असमान वितरण मूल समस्या बनी हुई है। गरीब जनता तक उनके हक का अनाज नहीं पहुँच पाता है, भ्रष्टाचार जैसी समस्याएँ गरीबी और भूखमरी को और बढ़ानी है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

घर के ठण्डे चूल्हे पर अगर खाली पतीली है,
बताओ कैसे लिख दूँ धूप फागुन की नशीली है।

अदम गोंडवी की प्रस्तुत पंक्तियाँ यही संदेश देती हैं कि यदि मूलभूत आवश्यकताओं की ही पूर्ति नहीं पायेंगे तो कैसे एक स्वास्थ्य, पोषणयुक्त भविष्य का निर्माण कर पायेंगे।

आज का मानव यदि यह सोचे कि उसके कार्य आने वाले कल में उदाहरण के रूप में आजमाये जायेंगे। अब उसे ही तय करना होगा कि वह सकारात्मक उदाहरण पेश करें कि नकारात्मक उदाहरण। आज जब आप अदालत में न्याय की गुहार लेकर जाते हैं कई दिनों तक चक्कर लगाने पड़ते हैं, शासन व्यवस्था में लालफीताशाही, भाई-भतीजावाद इस तरह समाया हुआ है कि

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

इस जटिल तंत्र को तोड़ना आसान नहीं। एक साधारण गरीब के लिये न्याय पाना बेहद मुश्किल व्यवस्था है। यदि हम ऐसी मृतप्राण न्याय व्यवस्था भविष्य को सौंपेंगे जो कि वे हमें अवश्य दोष देंगे।

कितने जालिम हैं ये दुनिया वाले
घर से निकलो तो पता चलता है,
दो कदम पर है अदालत लेकिन
सोचना वक्त बड़ा लगता है।

निदा फाजली की यह शायरी वर्तमान की कानून व्यवस्था पर व्यंग्य कसती है। भारत एक सबसे बड़ा लोकतंत्र है परन्तु क्या वास्तव में नागरिकों को शासन में शामिल किया जाता है। अमेरिकी राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन ने कहा था -

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

लोकतंत्र, जनता का, जनता द्वारा, जनता के लिये शासन है।

परन्तु वर्तमान में शासन और जनता के बीच गहरी खाई नज़र आती है। राजनीति का स्वरूप दिनोदिन भेदभावमूलक होता जा रहा है। वोट बैंक के लिये आम जनता की भावनाओं के साथ खेला जाता है, सरकारी योजना के निर्माण में जनता की भागीदारी नगण्य होती जा रही है। विपक्ष की बातों को दरकिनार किया जाता है, प्रश्नकाल, शून्यकाल आदि को कम महत्व देकर, बड़े परिवर्तन आदि को कम महत्व देकर बड़े परिवर्तन पुरकियों में कर दिये जाते हैं। यदि मनुष्य यह सोचे कि यदि भविष्य को ऐसी राजनीतिक व्यवस्था सौंपी जाए तो क्या वो इसे स्वीकार करेंगी।

यही कारण ही आज का युवा राजनीति की दाँव-पेंच में शामिल नहीं होना

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

चाहता है। उसे पता है यहाँ शक्ति और धन पर ही सत्ता हासिल की जा सकती है।

आज अनियोजित के कारण, शहरों में दिनोंदिन जनसंख्या का अतिक्रमण होते जा रहा है, शहरी बाढ़, हीटवेव, कोहरा आदि नई समस्याएँ उत्पन्न हो रही हैं। हाल ही में दिल्ली जैसे महानगर में कुछ घण्टों की बारिश में ही बाढ़ आ गई और बेसमेण्ट की लाइब्रेरी में भविष्य के सपने देख रहे युवा विद्यार्थियों की जान चली गई।

क्या ऐसा ही दुखद भविष्य देखेंगे हमारी नई पीढ़ियाँ। क्या ऐसे ही हमारे स्वार्थी कर्मों का फल भुगतेंगे वो? यदि ऐसा हुआ जो पग-पग में हमारी आने वाली पीढ़ियाँ हमें कोसेंगी।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

जापान में द्वितीय विश्वयुद्ध के समय जो अमेरिका के द्वारा हिरोशिमा और नागासाकी में परमाणु बम फेंके गये थे, उसका परिणाम आज की पीढ़ी को भुगतना पड़ रहा है। भारत के भोपाल में 1984 में जो भोपाल गैस त्रासदी हुई थी उससे आज की पीढ़ियों को कई समस्याओं का सामना कर पड़ रहा है।

स्वामीनाथन जी ने ~~दक्ष~~ देश की भुखमरी की समस्या को मिटाने के लिये जो हरित क्रान्ति लायी थी। उसका ऐसा विकृत रूप देखा जा रहा है, पंजाब और हरियाणा जैसे राज्यों के किसान बिना आगे वाले कल के बारे में सोचकर, भूजल का दोहन कर रहे हैं, उर्वरकों का अंधाधुंध प्रयोग कर रहे हैं। MSP की लालच में धान और गेहूँ के

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उत्पादन में इतने अंधे हो गये हैं कि उन्हें यह दिखाई दे नहीं रहा कि यदि मृदा बंजर बन गई तो आने वाली पीढ़ी को कचरा भी नसीब नहीं होगा।

जहाँ भारत को अनेकता में एकता के लिये जाना जाता था वहीं हम कई साम्प्रदायिक दंगे होता देखते हैं। जहाँ देवी दुर्गा और लक्ष्मी की पूजा जाता है वहाँ हम महिला यौन शोषण की कई घटनाएँ देखते हैं, जहाँ हम संविधान में आपसी भाई-चारे और बंधुत्व के मूल्यों की छाप देखते हैं वहीं मॉब लिंचिंग जैसी घटनाएँ दिनोदिन बढ़ती जा रही।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग का प्रयोग भी यदि भावी पीढ़ी के बारे में सोचकर नहीं किया गया तो डेटा चोरी, डीपफेक, पोर्नोग्राफी, स्पामिंग आदि की समस्या झेलते समय हमारी भविष्य की पीढ़ियाँ यही कहेंगी कि

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

हमारे पूर्वजों ने हमें आविष्कार के नाम पर अभिशाप सौंपा है।

चाहे इस बात की ही है कि हम जो भी कार्य करें यह सोचकर करें कि इसका प्रभाव हमारी आने वाली पीढ़ियों पर क्या पड़ेगा। कबीर का दोहा है न- बोया पेड़ बबूल का तो फल कहाँ से पायेगा। उसी प्रकार यदि आज हमने सतत विकास की रणनीति को नहीं अपनाया तो हम अपनी आने वाली पीढ़ी को बेहद ही कष्टदायक भविष्य सौंपेंगे इसलिये हमें कोशिश करनी होगी कि प्रत्येक कार्य का मूल्यांकन भविष्य के आधार पर हो।

क्यूं न सहेज कर रख लें
इस प्रकृति को
आने वाले कल के लिए
आने वाले अपनों के लिये।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

Remarks for Essay-1

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Topic: 6.

जब प्रेम रूपी सत्ता, सत्ता के प्रति प्रेम पर विजय प्राप्त कर लेगी, तो दुनिया को शान्ति का अनुभव होगा।

युद्ध से लौटे सिपाही ने
दौड़कर जब गले लगाया
पत्नी और बच्चों को
तो प्रेम से भर आयी आँखे
उसकी आँखों की नमी बता रही थी
युद्ध प्रेम पर समाप्त होते है। (हेमंत)

विगत दो वर्षों से रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे सत्ता के युद्ध से न जाने कितने मासूमों की जान चली गई है। वहीं दूसरी ओर इजरायल और हमास के बीच भी वर्षों से युद्धों की कभी न खत्म होने वाली श्रृंखला आज भी जारी है। प्रश्न उठता है कि

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

आखिर इस सत्ता, शासन, स्थान की लड़ाई कैसे खत्म होगी। देशों और लोगों के बीच विश्वास, प्रेम को कैसे बढ़ाया जाए? क्या कभी सत्ता के प्रति प्रेम पर, प्रेम रूपी सत्ता की विजय होगी? क्या दुनिया में बिना किसी आपसी संघर्ष के विश्वव्यापी शान्ति की स्थापना संभव है?

जब प्रथम विश्व युद्ध जैसे भयंकर सत्ता की लड़ाई का समस्त संसार ने सामना किया तो, उन्हें अहसास हुआ कि कितने निर्दोषों की जान गई, कितने संसाधनों का दोहन हुआ, अवसंरचनाओं को हानि पहुँची। अतः शान्ति की स्थापना हेतु वर्साय की संधि हुई परन्तु पक्षपातपूर्ण यह संधि शान्ति स्थापित करने में असफल रही और पुनः द्वितीय विश्व युद्ध का आगाज हुआ और फिर हथियारों की लड़ाई, परमाणु बमों का प्रयोग, सत्ता हेतु

Copyright – Drishti The Vision Foundation

मानवता की हत्या हुई। और फिर सभी देशों ने पुनः शान्ति स्थापना हेतु 1945 में संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना की।

भारत में भी दो सौ वर्षों की गुलामी को खत्म करने हेतु हिन्दु और मुस्लिमों ने साथ मिलकर लड़ाई लड़ी। एनी बेसेंट जैसी विदुषी ने तो दोनों समुदायों को भारत की दो आँखे की संज्ञा दी थी। हिन्दु-मुस्लिम भाई-भाई जैसे नारे स्वतंत्रता आंदोलन में जान फूंकने का काम करते थे, भारतीय संस्कृति अपनी गंगा-जमुनी तहजीब के लिये प्रसिद्ध थी।

परन्तु सत्ता के लालच ने इस प्रेम रूपी बंधन को तोड़ दिया और स्वतंत्रता प्राप्ति के साथ ही अखण्ड भारत का दो खण्डों में विभाजन हो गया। भारत की दो आंखे कहे जाने वाले समुदायों ने एक-दूसरे की निर्ममता से हत्या की और प्रेम से ऊपर सत्ता को स्थापित किया। जिसका परिणाम आज भी देखा जाता है

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

कश्मीर के शासन हेतु दोनो देशो के बीच लगातार युद्ध और आक्रमण देखे जाते है जैसे - उरी अटैक, पुलवामा हमला आदि।

ऐसी घटनाओं को देखने के बाद मन में यही ख्याल आता है -

पंछी नदिया पवन के झोंके
कोई सरहद ना इन्हे रोके
सरहद इंसानो के लिये है
सोचो तुमने और मैंने क्या पाया इन्सां होके।

(जावेद अख्तर)

आज हम राजनीति में सत्ता पाने के लिये गलाकाट संघर्ष को देखते है कैसे लोगो को वोट बैंक के रूप मे प्रयोग करने के लिये एक वर्ग को दूसरे वर्ग के प्रति भड़काया जाता है। सालो से चले अयोध्या मंदिर और बाबरी मस्जिद के संघर्ष के कारण। गोधरा काण्ड जैसे कई दुःखदायक घटनाक्रम हुए जिन्होंने आपसी प्रेम को कमजोर कर

Copyright – Drishti The Vision Foundation

आपसी द्वेष को बढ़ाया।

उपर्युक्त सभी घटनाओं और परिणामों को देखने के बाद हम इसी नतीजे पर पहुँचते हैं कि जब तेजी रूपी सत्ता, सत्ता के प्रति प्रेम पर विजय प्राप्त कर लेगी, तो दुनिया को शान्ति का अनुभव होगा।

उदाहरण के रूप में, भूटान ने अपने समाज में शान्ति स्थापित करने की मिशाल पेश की आर्थिक रूप से ज्यादा मजबूत न होने के बावजूद खुशहाली सूचकांक जैसी नई अवधारणा पेश की। वही उसका पड़ोसी देश नेपाल जहाँ सत्ता की लड़ाई अभी भी जारी है जाने कितने बार संविधान बनाकर हवाले किया गया परन्तु अभी भी शान्ति की स्थापना नहीं कर पाया।

अतः शान्ति की स्थापना तभी हो सकती है जब सभी समुदाय आपसी प्रेम

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

और भाईचारे की भावना से जीवन यापन करें। सत्ता के लालच के स्थान पर लोकतंत्र के आधार पर सहभागी शासन को अपनाए, साम्प्रदायिकता के स्थान पर धर्मनिरपेक्षता के मूल्यों का महत्व दे तो अवश्य ही शान्ति की स्थापना होगी + और हम गर्व से कहेंगे-

कमल उड़ीसे के खिलते हैं, हिन्दी की शीलों में
देश को बाँधना मुश्किल है, भाषायी कबीलों में

इतिहास में अशोक की कलिंग विजय से सभी अवगत हैं कि किस तरह अशोक ने सत्ता के लालच में लाखों लोगों पर मौत के हथियार दिये परन्तु जब उसने देखा तो उसे गहरा अपराध बोध हुआ और फिर उसका हृदय परिवर्तन हो गया। उसने बौद्ध धर्म को ~~xxxx~~ शरण अपनाकर समस्त संसार में प्रेम और अहिंसा के संदेश को पहुंचाया। और शान्ति की स्थापना का प्रयास किया।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

महात्मा गांधी ने भी देश को आजाद कराने के लिये हिंसा का रास्ता कभी नहीं अपनाया। उन्होंने सर्वोदय, अहिंसा, सत्याग्रह, प्रेम, आपसी भाईचारे के आधार पर संघर्ष का रास्ता अपनाया और चिंतन: देश को आजादी दिलाई। इसलिये हम उन्हें याद करके कहते हैं-

दे दी हमें आजादी बिना खड्ग बिना ढाल
साबरमती के संत तूने कर दिया कमाल

साहित्य के क्षेत्र में भी हम कई ऐसे उदाहरण देखते हैं जिनमें प्रेम रूपी सत्ता के माध्यम से शान्ति स्थापना का मार्ग दिखाया गया। महान समाज सुधारक कबीर ने प्रेम को शान्ति का आधार माना 'ढाई आखर प्रेम का पढ़े सो पंडित होय', जैसी उक्तियाँ प्रेम की महानता को दर्शाती हैं जो सभी संघर्षों का खत्म करने की क्षमता रखता है। जो समाज में आपसी घृणा के स्थान पर

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

आपसी सम्मान को स्थापित करता है।

हिन्दु कहत राम हमारा, मुसलमान रहमाना
आपस में दोऊ लड़ते मरम कोई नहीं जाना

आज भारत ने G-20 की सफलता-पूर्वक अध्यक्षता की। रूस-यूक्रेन, इजरायल हमास जैसे भयंकर युद्धों के बीच भी सर्वसम्मति से दिल्ली घोषणापत्र को पास किया। सम्पूर्ण संसार में शान्ति और प्रेम की स्थापना हेतु भारत का यह प्रयास सराहनीय है। भारत का वसुधैव कुटुम्बकम् का विचार समस्त पृथ्वी को एक परिवार के रूप में स्थापित करता है जिसके सभी सदस्यों के बीच प्रेम होगा तभी शान्ति की स्थापना हो पायेगी।

भारतीय इतिहास के राम, कृष्ण जैसे मित्रों की कहानियों में भी हम प्रेम मूल्य की महानता को देखते हैं किस प्रकार राम ने प्रेम के आधार पर रामराज्य की स्थापना

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

की तो कृष्ण ने सत्य के प्रेम में अभीभूत दुर्योधन का विनाश कर प्रेम के महत्व को स्थापित किया।

गौतम बुद्ध, महावीर जैन, ईसामसीह, पैगम्बर मोहम्मद जैसे जितने भी धर्मस्थापक रहे उन्होंने प्रेम रूपी सत्य की महत्ता पर जोर दिया। किसी भी धर्म ने सत्य के प्रति प्रेम को महत्व नहीं दिया अपितु सत्य को मोह को विनाश का मार्ग बताया।

हमें विचार करना होगा कि कैसे हम प्रेम रूपी सत्य के माध्यम से शान्ति की स्थापना करें। इसका उत्तर होगा कि हमें सभी धर्मों की भावनाओं का सम्मान करना होगा, समाज में सहिष्णुता, सहभागिता, सम्मान जैसे मूल्यों का विकास करना होगा।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

हमारे संविधान में भी धर्मनिरपेक्षता, भाईचारे, व्यक्ति की गरिमा, आपसी बंधुत्व आदि के जो मूल्य दिये गये हैं उनका पालन पूरी सत्यनिष्ठा से करना होगा। सभी के मौलिक अधिकारों का सम्मान करना होगा।)

जॉन रॉल्स के समतामूलक समाज, महात्मा गांधी के सर्वजनसुखाय सर्वजनहिताय, स्वामी विवेकानंद के मानवता के प्रति प्रेम, रूसो के प्रकृति की ओर लौटो आदि विचारों को अपनाना होगा तभी हम प्रेमरूपी सत्ता की स्थापना कर पायेंगे।

प्रेमरूपी सत्ता आज सभी क्षेत्रों में प्रासंगिक है। राजनीतिक क्षेत्र में लोकतंत्र की स्थापना, संघात्मक सहकारी संघवाद, सत्ता का विकेन्द्रीकरण आदि राज्यों और लोगों के बीच क्षेत्रवाद, भाषावाद को खत्म कर प्रेम

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

शांति की स्थापना करेंगे।

आर्थिक क्षेत्र में संसाधनों का आनुपातिक वितरण, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, आय का सिद्धांत, समाजवादी मूल्य आदि गरीबों के प्रति प्रेम और करुणा को बढ़ाएंगे और गरीबी, अशिक्षा, भुखमरी को खत्म कर शांति की स्थापना करेंगे।

सांस्कृतिक क्षेत्र में विभिन्न धर्मों के त्यौहारों, भाषाओं, रीति-रिवाजों को सम्मान देना, आपसी प्रेम को बढ़ाना है। साथ मिलकर एक-दूसरे के गले लगाना, मिठाई बाँटना, शांति की स्थापना का संकेत देना है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सामाजिक क्षेत्र में स्वास्थ्य, शिक्षा रोजगार हेतु प्रतिस्पर्धा को कम करने हेतु हमें समीरवर्ग में प्रेम और संवेदना का बीज बोना होगा। बलात्कार जैसे घटना को रोकने हेतु सभी वर्ग के बीच प्रेम और सम्मान बढ़ाना होगा तभी शान्ति की स्थापना होगी।

अतः विकास हेतु संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा जो सतत् विकास लक्ष्यों की सूची दी गई है उसमें सबसे अंतिम और सबसे महत्वपूर्ण लक्ष्य सर्वव्यापी शान्ति की स्थापना ही है। अतः प्रत्येक राष्ट्र को शान्ति की स्थापना हेतु स्थानीय, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रयास करना होगा।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

जब तक मनुज-मनुज का यह सुख भाग नहीं
सम होगा,
शमित न होगा कोलाहल, संघर्ष नहीं कम
होगा।

रामधारी सिंह 'दिनकर' की यह
पंक्तियाँ हमें शान्ति की स्थापना हेतु
प्रेम एवं सद्भाव को सम्पत्ति से
अधिक महत्व देने का संदेश देती है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

Remarks for Essay-2

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

SPACE FOR ROUGH WORK

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

SPACE FOR ROUGH WORK

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation